सांध्य दैनिक 4PM

अगर धन दूसरों की भलाई करने में मदद करे, तो इसका कुछ मूल्य है, अन्यथा, ये सिर्फ बुराई का एक ढेर है और इससे जितना जल्दी छुटकारा मिल जाये उतना बेहतर है।

–स्वामी विवेकानंद

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 106 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 20 मई, 2024

चेन्नई का सपना तोड़ प्लेऑफ में पहुंची... 7 | लखनऊ-रायबरेली व अमेठी पर... 3 | आंबेडकर व गांधी के संविधान को कोई... 2

अमेठी और रायबरेली पर लगीं देश की निगाहें, देश भर में मतदान जारी

बाराबंकी में उमड़ी वोटरों की भीड़, लखनऊ सुस्त

- » पांचवे चरण में जमकर हो रही वोटिंग, लद्दाख, बंगाल आगे
- » राजनाथ, मायावती, ब्रजेश पाठक सतीश चन्द्र मिश्रा ने डाला वोट
- » यूपी में भाजपा-इंडिया गठबंधन में कड़ी लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में मतदान शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र समेत आठ राज्यों की 49 सीटों पर मतदान कराए जा रहे हैं। इस चरण में 695 प्रत्याशी मैदान में हैं। उधर 1 बजे तक मिले आंकड़ों के हिसाब से पश्चिम बंगाल में जमकर वोटिंग हो रही है। यूपी के सबसे हॉट सीट रायबरेली व अमेठी पर वोटरों की लंबी-लंबी कतारे देखी जा रही हैं। वहीं मुंबई में बड़े-बड़े सेलीब्रेटीज ने भी जमकर वोट डाले।

उधर यूपी की राजधानी लखनऊ में वोटिंग जारी है। सुबह सात बजे से पहले ही मतदान केंद्रों के बाहर लंबी कतारें लग गई थीं। हर उम्र के लोग उन कतारों में लगे नजर आए। बसपा सुप्रीमों मायावती ने लखनऊ में वोट डाला। देशभर में अपनी कला-संस्कृति, साहित्य और तहजीब के लिए मशहूर लखनऊ 1962 से मतदान प्रतिशत का रिकॉर्ड नहीं तोड़ सका है। उस वर्ष 58.49 प्रतिशत वोट पड़े थे। साल 1991 में मतदान प्रतिशत 33.23 ही रहा। अचानक से मत प्रतिशत में गिरावट हुई तो राजनेता भी चकित रह गए। तब पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने पहले मतदान, फिर जलपान का नारा दिया और घर-घर जाकर वोट प्रतिशत बढ़ाने की अपील की। वहीं रायबरेली में वोटिंग शुरू हो गई है। यहां सुबह से ही बूथ के बाहर मतदाताओं की कतारें दिख रही हैं। हाई प्रोफाइल लोकसभा सीटों में शुमार रायबरेली और अमेठी में दांव पर असली प्रतिष्ठा तो गृहमंत्री अमित शाह और राहुल गांधी की लगी है। असल में, रायबरेली में भाजपा से दिनेश सिंह और अमेठी में कांग्रेस से किशोरी लाल शर्मा तो चेहरे मात्र हैं। इन दो सीटों पर तीन प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों, गृह मंत्री, चार डिप्टी सीएम, चार पूर्व सीएम समेत 50 से अधिक दिग्गजों ने प्रचार किया। सोमवार को अब जनादेश की बारी है।

देश में दोपहर तक 36.73 फीसदी मतदान

निर्वाचन आयोग के अनुसार देश में दोपहर एक बजे तक 36.73 प्रतिशत मतदान हो चुका है। इस चरण में सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश की 14 सीटों पर और महाराष्ट्र की 13 सीटों पर मतदान हैं। वहीं ओडिशा की 35 विधानसभा सीटों पर भी आज मतदान है। ओडिशा में इस दौरान 94,732 मतदान केंद्रों पर लगभग 9.47 लाख मतदान अधिकारी तैनात हैं। सात चरण में होने वाले लोकसभा चुनाव 2024 का पांचवें चरण में आज यानी 20 मई को आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 49 सीटों पर मतदान है। इस चरण में उत्तर प्रदेश की 14, महाराष्ट्र की 13, पश्चिम बंगाल की सात, ओडिशा की पांच, बिहार की पांच, झारखंड की तीन, जम्मू कश्मीर की एक, लद्दाख की एक सीट पर वोटिंग है। पांचवें चरण में कई बड़े दिग्गजों की चुनावी प्रतिष्ठा दांव पर है। इनमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी, राहुल गांधी, चिराग पासवान, राजीव प्रताप रूडी, रोहिणी आचार्य,उमर अब्दुल्ला और पीयूष गोयल जैसे दिग्गज शामिल हैं। पांचवें चरण के साथ कुल 428 सीटों पर चुनाव संपन्न हो जाएगा।

फोटो: सुमित कुमार

जनता संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए खड़ी हो गई है : राहुल

अपने संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहुंच गए हैं। वहां पहुंचकर उन्होंने हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की। इससे पहले कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने लोगों से मतदान की अपील की है। राहुल गांधी ने सोमवार (20 मई 2024) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट लिखते हुए लोगों से घर से बाहर निकलकर मतदान करने की अपील की। राहुल गांधी ने पोस्ट में लिखा, आज पांचवें चरण का मतदान है। पहले चार चरणों में ही यह साफ हो गया है कि जनता संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए खड़ी हो गई है और भाजपा को हरा रही है। नफरत की राजनीति से ऊब चुका यह देश अब अपने मुद्दों पर वोट कर रहा है। युवा नौकरी के लिए, किसान एमएसपी और कर्ज से मुक्ति के लिए, महिलाएं आर्थिक निर्भरता और सुरक्षा के लिए और मजदूर वाजिब मेहनताने के लिए वोट डाल रहा है।

वोट देने जरूर जाएं : स्मृति

मैं सभी से अपील करती हूं कि आप मतदान केंद्र पर जाकर इस उत्सव में सहभागी बने भारत और भारत के भविष्य के प्रति हमारी जिम्मेदारी है हम सब इसके सहभागी बने मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि विकसित भारत के संकल्प के साथ एवं गरीब कल्याण महिला शक्ति को समर्पित गरीब एक नेता और एक राष्ट्रभक्त को मैंने अपना मतदान दिया अभिलाषी हू की जनता भी अपना आशीर्वाद देगी।

1 बजे तक मतदान प्रतिशत

बिहार	34.62	महाराष्ट्र	27.78
जम्मू-कश्मीर	34.79	ओडिशा	35.31
लद्दाख	52.02	उत्तर प्रदेश	39.55
झारखंड	41.89	पश्चिम बंगाल	48.41

कौशांबी के गांव में सुबह से नहीं पड़ा एक भी वोट

छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की 49 लोकसभा सीट पर आज पांचवे चरण का मतदान हो रहा है। मतदान सुबह 7 बजे से शुरू हो गया है लेकिन कौशांबी का एक ऐसा गांव है जहां अभी तक भी एक भी मतदान नहीं हुआ है, जानकारी के मुताबिक कौशांबी के सिराथू तहसील के हिसामपुर माड़ो गांव के हजारों ग्रामीणों ने मतदान करने से इनकार कर दिया है। इस गांव में लोगों ने चौराहे पर मतदान बहिष्कार के पोस्टर लगाए हुए हैं और सभी मतदान केंद्र के बाहर मतदान का विरोध कर रहे हैं। वहीं मतदाता केंद्र पर बैठे चुनाव कर्मी वोटरों के आने का इंतजार कर रहे हैं लेकिन सुबह से दोपहर होने को है और अभी तक भी एक भी वोट नहीं डला है।

फतेहपुर में सपा-बीजेपी समर्थकों में मारपीट

फतेहपुर में ग्राम संराय होली में बूथ संख्या 139 पर विधानसभा जहानाबाद में सपा और भाजपा समर्थकों के बीच मारपीट हो गई। हमीरपुर में 11बजे तक 28.24 प्रतिशत हुआ है। फतेहपुर के किशनपुर कस्बे के वार्ड 8 और 7 की ईवीएम की बैटरी खत्म हो गई है। सुबह 11 बजे तक गोंडा में 26.68 और कैसरगंज में 27.92 प्रतिशत वोट पड़े। रायबरेली लोकसभा क्षेत्र में 11:00 बजे तक 28.10 फीसदी मतदान हुआ। अयोध्या में फैजाबाद लोकसभा सभा निर्वाचन क्षेत्र में 11 बजे तक 29व मतदान हुआ। मोहनलालगंज लोकसभा क्षेत्र में उच्च प्राथमिक विद्यालय अलमबाग बरिगंवा की बूथ संख्या 148 की ईवीएम गड़बड़ चल रही है। कई बार दबाने के बाद मतदान हो रहा है। यहां 1034 मतदाता हैं। लोगों ने सांसद कौशल किशोर से इसकी शिकायत की है। कौशाम्बी में सपा प्रत्याशी ने सिराथू एसडीएम से शिकायत की है। पर्ची में विनोद सोनकर की फोटो छपी होने के चलते शिकायत की है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है। एजेंट विनोद सोनकर की फोटो छपी पर्ची बांट रही हैं। सिराथू विधानसभा के एस एवी इंटर कॉलेज के पास का यह मामला है।

आंबेडकर व गांधी के संविधान को कोई भी शक्ति फाड़ कर फेंक नहीं सकती : राहुल

» यह चुनाव लोकतंत्र बचाने का चुनाव : अखिलेश
» मोदी जी ने 22 लोगों को अरबपति बनाया : राहुल
» रैली में उमड़ा जनता का हुजूम, अव्यवस्था के कारण भाषण नहीं दे सके दोनों नेता
» दोनों नेताओं ने सुर से मिलाए सुर, भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इंडिया गठबंधन के नेताओं अखिलेश यादव और राहुल गांधी ने प्रयागराज सीट से कांग्रेस प्रत्याशी उज्ज्वल रमण सिंह के समर्थन में मुंगारी गांव में एक संयुक्त रैली को संबोधित किया। इस दौरान समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष ने जनता से कहा, यह चुनाव कोई सामान्य चुनाव नहीं है, लोकतंत्र बचाने का चुनाव है। जिस तरह संविधान मंथन हुआ था, एक तरफ वो लोग हैं जो संविधान खत्म करना चाहते हैं एक तरफ हम लोग हैं जो संविधान बचाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, अभी तक किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई है। दस साल की सरकार में एक लाख किसान आत्महत्या कर चुके हैं। किसानों की आवाज दबाने के लिए क्या-क्या नहीं किया।

अखिलेश ने कहा कि गठबंधन की सरकार बनने पर किसानों को एमएसपी का कानूनी अधिकार मिलेगा। उन्होंने कहा, भाजपा वाले हमारी जान और संविधान के पीछे पड़े हैं। ये वैक्सीन लगाकर हमारी जान के पीछे पड़े हैं। यादव ने कहा, इन भाजपा वालों ने सभी प्रश्नपत्र लीक करा दिए और सभी प्रतियोगी परीक्षाएं रद्द करा दीं। इन्होंने नौजवानों का भविष्य अंधकार में डाल दिया। हम आपको सम्मानजनक नौकरी का भरोसा दिलाते हैं। अखिलेश ने कहा कि गठबंधन की सरकार आने पर अग्निवीर व्यवस्था हमेशा-हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। पहले नौजवान जैसे पक्की वर्दी पहनता था, वैसी पक्की नौकरी फौज में दिलाने का काम विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' करेगा। जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, कि नरेन्द्र मोदी जी ने 22 लोगों को अरबपति बनाया है। हम करोड़ों लखपति बनाने जा रहे हैं। सभी गरीबों की लिस्ट बनेगी। उन्होंने कहा, हर गरीब परिवार में से एक महिला का नाम चुना जाएगा और करोड़ों महिलाओं के बैंक खाते में टकाटक-टकाटक साल के एक लाख रुपये, महीने के 8500 रुपये हम डालेंगे।

सपा प्रमुख की आपत्ति पर पोलिंग पार्टी सस्पेंड

सोशल मीडिया पर रविवार को वायरल हुए एक वीडियो ने राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में सरगर्मियां ला दीं। इसमें एक युवक आठ बार भाजपा को वोट डालकर खुद ही वीडियो बना रहा है। वीडियो एटा की अलीगंज विधानसभा क्षेत्र के प्राथमिक पाठशाला खिरिया पमारान के बूथ संख्या-43 का बताया गया है। वीडियो को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, अगर चुनाव आयोग को लगे कि ये गलत हुआ है तो वो कुछ कार्रवाई जरूर करे, नहीं तो...। यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि इस मामले में पहले ही कार्रवाई की जा चुकी है। कई बार वोट डालने वाला व्यक्ति खिरिया पामारन गांव का निवासी राजन सिंह है, जिसे पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। उन्होंने बताया कि संबंधित पोलिंग पार्टी के सभी सदस्यों को सस्पेंड करने के साथ ही आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए जा चुके हैं। भारत निर्वाचन आयोग से वहां पुनर्मतदान की संस्तुति कर दी गई है। उन्होंने बताया कि संबंधित पोलिंग पार्टी के सभी सदस्यों को सस्पेंड करने के साथ ही आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए जा चुके हैं। भारत निर्वाचन आयोग से वहां पुनर्मतदान की संस्तुति कर दी गई है। मतदाताओं की पहचान के लिए आयोग की ओर से जारी निर्देशों का पूरी तरह से पालन करने के निर्देश सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को दे दिए गए हैं।

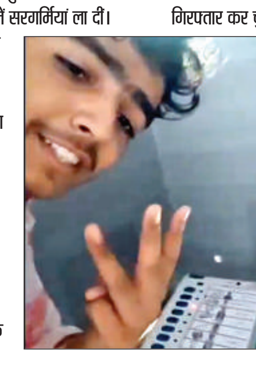

सीएम योगी अच्छा काम कर रहे हटाने का सवाल ही नहीं : राजनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

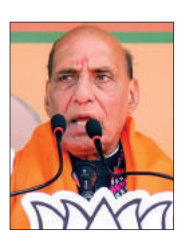

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीएम योगी आदित्यनाथ को हटाए जाने के दावे पर बड़ा बयान दिया है। बीते दिनों आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी की एक प्रेस वार्ता में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने यह दावा किया था कि सीएम योगी को चुनाव बाद हटा दिया जाएगा।

सीएम योगी ने भी प्रतिक्रिया दी थी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की बुद्धि भी भ्रम में पड़ गई है। अब उन्हें मुख्यमंत्री पद का इतना लालच हो गया है कि वे अपनी बात को मुझसे जोड़कर कह रहे हैं। उधर यूपी में बीजेपी की ज्यादा सीटें आ गई तो सीएम योगी को मुख्यमंत्री नहीं रहने दिया जाएगा, पर राजनाथ सिंह ने कहा कि यह एकदम बेबुनियाद और काल्पनिक सोच है। यह विपक्ष की नापाक हरकत है। जनता को गुमराह करने की हरकत है। योगी बहुत ही अच्छा काम कर रहे हैं. मोदी स्वयं उनकी तारीफ करते हैं. उन्हें हटाने का प्रश्न ही नहीं है।

लोग महंगाई और बेरोजगारी से नाराज : केजरीवाल

» बोले- 4 जून को इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी
» दिल्ली में चुनाव प्रचार में सभी दलों ने ताकत झोंक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में इस सप्ताह मतदान है। चुनाव प्रचार का अंतिम दौर है। इस नाते सभी दलों ने प्रचार के लिए पूरी ताकत लगा दी है। स्थानीय नेताओं के अलावा प्रचार में बाहरी राज्यों के नेता-मंत्री-मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों के अलावा खुद प्रधानमंत्री मोदी, राहुल गांधी, केजरीवाल और स्टार प्रचारकों की जमात लगी है।

वहीं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा बुरी तरह से आप के पीछे पड़ी है। एक-एक करके आप के नेताओं को जेल में डाल दिया है। मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, संजय सिंह को जेल में डाला है। अब कह रहे हैं कि आतिशी, सौरभ भारद्वाज और कैलाश गहलोत को भी जेल में डाल देंगे। भाजपा 24 घंटे दिन-रात बस यही सोचती है कि किसको जेल में डालें। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि वह पिछले 7-8 दिन से पूरे देश में घूम रहे हैं।

लोग मुझे प्यार करते हैं : दिल्ली सीएम

बदरपुर, कालकाजी, संगम विहार, अंबेडकर नगर, छतरपुर में हुई नुक्क डड़ सभा में केजरीवाल को देखने व सुनने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। भीषण गर्मी के बावजूद लोगों का उत्साह देखने लायक था। लोगों की भीड़ देखकर केजरीवाल खुद को नहीं रोक पाए और कहा कि इस मौसम की सबसे ज्यादा गर्मी है। इसके बाद भी आप लोग अपने

मैं आप प्रत्याशी को वोट दूंगा केजरीवाल कांग्रेस को : राहुल

दिल्ली में अपनी पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वे खुद आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार को वोट देंगे और केजरीवाल कांग्रेस प्रत्याशी को वोट देंगे। हाथ के निशान में झाड़ू है। दिल्ली की सातों सीटें गठबंधन के खाते में जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो देशभर में नफरत का बाजार सजाया है, उसकी हिंदुस्तान की कोई जरूरत नहीं है।

भाजपा की केंद्र सरकार ने हमसे किया वादा नहीं निभाया: वांगचुक

» कहा- इसलिए करना पड़ा अनशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लद्दाख। लद्दाख को पूर्ण राज्य और संविधान की छठी अनुसूची लागू करने की मांग को लेकर दो माह से ज्यादा अनशन करने वाले सोनम वांगचुक लगातार चर्चा में हैं। उनकी जिंदगी पर थ्री इडियट्स फिल्म भी बन चुकी है। जब 2019 में केंद्रशासित क्षेत्र की मांग पूरी हुई तो यहां के लोग बहुत कृतज्ञ हुए।

भाजपा की केंद्र सरकार ने वचन दिया था कि विशेष दर्जा हमें छठी अनुसूची में दिया जाएगा। स्थानीय चुनावों में भी वादा किया गया, पर बाद में सब मुकरने लगे। अंततः अनशन और प्रदर्शन हमारी मजबूरी हो गई। यह ऐसा है भी और नहीं भी। अनुच्छेद 370 तो राज्यों को दिया जाता है, जैसे जम्मू और दूसरे राज्यों को दिया गया। यह जो छठीं अनुसूची है वह जनजातीय लोगों के अधिकारों के लिए बना है। यह राज्य के अंदर जनजातीय लोगों को विशेष अधिकार देगा। वे अपनी सामाजिक रीतियों और जमीन पर अलग से कानून बना सकेंगे। राज्य के कानून उस पर नहीं चलेंगे। पहले यह बनाया गया था असम राज्य के लिए। बाद में त्रिपुरा, असम, मेघालय और मिजोरम बन गए। इन चार राज्यों में छठी अनुसूची है। संविधान संशोधन कर इसे यहां भी लागू कर सकते हैं।

लखनऊ-रायबरेली व अमेठी पर लगा सियासी दांव

पांचवे चरण में सबकी नजर में ये सीटें

राहुल-राजनाथ व स्मृति की अग्नि परीक्षा

- कांग्रेस भाजपा में कड़ी टक्कर है
- नेता कर रहे ताबड़तोड़ दौरे
- जातीय समीकरणों को साधने का प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी में पांचवे चरण में 20 मई को मतदान है। इस चरण में अवध के तीन महत्वपूर्ण सीटों पर सबकी नजर रहेगी। ये सीटें हैं रायबरेली, लखनऊ व अमेठी। जिसमें रायबेरली में कांग्रेस की दिग्गज नेता सोनिया गांधी निवर्तमान सांसद रहीं। इस बार वहां से उनके पुत्र राहुल गांधी चुनाव लड़ रह हैं। जबकि लखनऊ से रक्षामंत्री राजनाथ सिंह तिसरी बार जीत का दावा कर रहे। वहीं कभी कांग्रेस के गढ़ रहे अमेठी में बीजेपी की वर्तमान सांसद व केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी चुनाव लड़ रही हैं। अब इन तीनों ने आपनी सीटों को जीतने के लिए जी जान लड़ा दी है। जहां भाजपा दावा कर रही है वह दुबारा अमेठी व लखनऊ तो जीतेंगे ही रायबरेली में कांग्रेस से सीट छीन लेगें। अब ये तो 4 जून को ही पता चलेगा कि कौन बाजी मारता है। पर जो माहौल दिख रहा उसके हिसाब से इंडिया गठबंधन बीजेपी से कड़ी टक्कर ले रही है।

राजनैतिक विश्लेषकों का कहना है कि अगर विपक्षी गठबंधन इंडिया बेरोजगारी, महंगाई जैसे जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर जनता के बीच पूरी तैयारी से चली गई तो स्मृति व राजनाथ को मुश्किलें बढ़ सकती है। पर राहत की ये है कि कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन ने आम सहमति से दोनों जगह प्रत्याशी उतारे हैं जो जीत के लिए जीजान लड़ा रहे हैं। रायबरेली लोकसभा का चुनावी मैदान में वैशाख की गर्मी के साथ सियासी धुरंधरों की मौजूदगी में तप गया। चुनाव प्रचार खत्म होने के 24 घंटे पहले गठबंधन और भाजपा के बीच ताकत की जोर आजमाइश सियासी रण क्षेत्र में दिखी। गठबंधन तथा भाजपा ने अपने रणनीति के तरकश में भरे तीर से चुनाव को बेहद हॉट सीट में तब्दील कर दिया। चुनाव प्रचार के निर्णायक घंटों में दोनों तरफ से ताकत का प्रदर्शन कर एक दूसरे पर अंतिम बड़ा सियासी वार किया गया। लोकसभा सीट के चुनावी इतिहास में पहली बार गांधी परिवार के साथ सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंच को साझा कर 2009 से चल रही वॉकओवर नीति से इतर संयुक्त रूप से भाजपा को ताकत दिखाई। इससे पहले कभी भी लोकसभा के चुनाव में सपा के किसी नेता ने कांग्रेस के मंच को साझा नहीं किया। यहां तक की कार्यकर्ता भी कभी एक दूसरे के गलबहियां नहीं डालते थे। दोनों दलों के कार्यकर्ता और पदाधिकारी एक दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर दिल मिलाते दिखे।

उधर शुक्रवार को प्रचंड गर्मी के बीच जगतपुर में ऊंचाहार विधायक मनोज पांडे ने सपा की साइकिल से उतरकर भाजपा का कमल थामकर सियासत को तपा दिया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के सामने विधायक मनोज पांडेय ने भाजपा का दामन थामा तो सियासी समीकरणों की एक नई कड़ी खुल गई। जिसने चुनाव मैदान में चली जा रही सियासी रणनीति को धारदार बना दिया है। भाजपा के पाले में ऊंचाहार विधायक मनोज पांडे के आने से 11 फीसदी वोट शेयर वाले ब्राह्मणों को साधने की पूरी तैयारी की गई है। भाजपा का थिंकटैंक 2014 के बाद से कद्दावर ब्राह्मण चेहरे की तलाश कर रहा था। यह मिशन अब सफल हो सका है। वहीं, कांग्रेस इंदिरा गांधी के समय से ब्राह्मण वोट शेयर को साधती रही है और इसी कारण सोनिया गांधी की समन्वय टीम में चार सदस्य ब्राह्मण हैं तो साथ ही राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी और उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे भी रायबरेली में डेरा डाले हुए हैं।

प्रियंका गांधी ने रायबरेली-अमेठी में लगाया पूरा जोर

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा यूपी की अमेठी और रायबरेली सीट पर जीत के लिए पूरा जोर लगा रही हैं। वह लगातार सक्रिय हैं। इन दोनों ही सीटों पर 20 मई को मतदान होना है। वह लगातार रैली, नुक्कड़ सभा और लोगों से संवाद कर कांग्रेस के लिए माहौल बना रही है। शनिवार को प्रियंका गांधी रायबरेली में गुरुद्वारे पहुंचीं और कुछ समय गुजारा। प्रियंका गांधी लगातार धार्मिक स्थलों पर जाती हैं और चुनाव प्रचार कर रही हैं। उन्होंने यूपी के विधानसभा चुनाव में भी प्रचार किया था लेकिन परिणाम कांग्रेस के पक्ष में नहीं रहे। यूपी में सपा कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। इंडिया गठबंधन का दावा है कि जनता भाजपा से नाराज है और महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर मतदान करेगी।

कांग्रेस और सपा ने मिलकर ताकत दिखाई

आईटीआई मैदान में गठबंधन की सेवा संकल्प सभा में कांग्रेस और सपा ने मिलकर ताकत दिखाई। महंगाई से लेकर इलेक्टोरल बांड तक के मुद्दों पर भाजपा पर निशाना साधा। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि पूरा देश देख रहा है। यह समाजवादी और कांग्रेस के कार्यकर्ता एक सैलाब बन गए हैं। पूरे देश को दिखाया है कि पूरे दिल से आप लगे हैं। परिश्रम किया है, यह रायबरेली क्षेत्र है। मेरे परिवार का रायबरेली से गहरा रिश्ता रहा है। इस रिश्ते को अटूट बनाने के लिए राहुल गांधी मैदान में हैं। दस साल से गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं परेशान हैं। जन जन की पुकार थी कि आपकी सुनवाई हो लेकिन नरेंद्र मोदी की सरकार में कोई सुनवाई नहीं हुई। आज इस देश में आंधी उठी है कि सत्ता से तानाशाही सरकार को हटाया जाए। रायबरेली की जनता ने 100 साल पहले आवाज उठाई थी। एक बार फिर रायबरेली देश को सत्ता परिवर्तन के लिए आवाज दे रहा है।

यूपी में 14 सीटों की लड़ाई

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि पाँचवे चरण के इन सभी लोकसभा क्षेत्रों के लिए 144 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए शनिवार शाम छह बजे से चुनाव प्रचार पर प्रतिबंध लग जाएगा। प्रचार की अवधि खत्म होने के बाद इन निर्वाचन क्षेत्रों में सभी राजमीतिक दलों के बाहरी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की मौजूदगी पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पाँचवे चरण का प्रचार अभियान खत्म होने के बाद इन निर्वाचन क्षेत्रों के जिला निर्वाचन अधिकारी सुनिश्चित करेंगे कि राजनीतिक दलों के सभी बाहरी पदाधिकारी व कार्यकर्ता इस दौरान निर्वाचन क्षेत्रों में मौजूद न रहें। उन्होंने बताया कि मतदान के दिन पोलिंग बूथ के अंदर मोबाइल फोन, स्मार्ट फोन और वायरलेस सेट आदि ले जाने पर रोक लगाई गई है। पांचवे चरण में मोहनलालगंज (अजा), लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, जालौन (अजा), झाँसी, हमीरपुर, बांदा, फतेहपुर, कौशाम्बी (अजा), बाराबंकी (अजा), फैजाबाद, कैसरगंज और गोण्डा लोकसभा सीटें आती हैं। इसमें से 10 सीटें सामान्य श्रेणी की हैं और 4 अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं।

जो लोग बूथ लूटते थे वे एक साधारण पार्टी कार्यकर्ता से हार गए : स्मृति

अमेठी में स्मृति ईरानी का मुकाबला गांधी परिवार के वफादार किशोरी लाल शर्मा से है। स्मृति ईरानी ने कहा कि मैं किशोर राजनीति में शामिल नहीं होना चाहता। केंद्रीय मंत्री और उत्तर प्रदेश के अमेठी से भाजपा की लोकसभा उम्मीदवार स्मृति ईरानी ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा कि निर्वाचन क्षेत्र में उनकी असली चुनौती प्रियंका गांधी वाड्रा हैं। वाड्रा मंच के पीछे से लड़ रही हैं और कम से कम उनके भाई राहुल गांधी सामने से लड़े। लेकिन जब उनसे पूछा गया कि प्रियंका चुनाव में सीधे क्यों नहीं है, इस पर स्मृति ईरानी ने कहा कि उन्हें हारने का डर है। वह हार से अपना राजनीतिक जीवन की शुरूआत नहीं करना चाहतीं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस बार प्रियंका गांधी वाड्रा पर्दे के पीछे से रायबरेली और अमेठी दोनों में कांग्रेस के अभियान का प्रबंधन कर रही हैं। अमेठी में स्मृति ईरानी का मुकाबला गांधी परिवार के वफादार किशोरी लाल शर्मा से है। स्मृति ईरानी ने कहा कि मैं किशोर राजनीति में शामिल नहीं होना चाहता। मेरी प्रतिद्वंद्वी प्रियंका वाड्रा हैं, वह मंच के पीछे से लड़ रही हैं। भाई तो सामने था; 2014 में भी राहुल केवल 1.07 लाख वोटों से जीते और वह भी मुलायम सिंह यादव की मदद से। स्मृति ईरानी ने राहुल और प्रियंका गांधी पर लगाए विस्फोटक आरोप लगता हुए कहा जो लोग बूथ कैप्चरिंग करते थे उन्हें अब एक साधारण बीजेपी कार्यकर्ता हरा रहा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ने कहा कि पार्टी को यह पच नहीं रहा कि एक साधारण पार्टी कार्यकर्ता ने उन्हें हरा दिया और अमेठी में उनका लंबा कार्यकाल समाप्त हो गया। इससे (अमेठी) उन्हें इतना दुख क्यों होता है, वे क्यों कहते है कि स्मृति ईरानी की कोई औकात नहीं है क्योंकि जो लोग बूथ लूटते थे वे एक साधारण पार्टी कार्यकर्ता से हार गए।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

स्वार्थ में न तोड़े देश का खुबसूरत ताना-बाना!

> **आज भले ही यह दुनिया राजनीतिक रूप से संयोजित और ध्रुवीकृत कर दी जा चुकी है, जिसमें हमारी सोच में किसी को देखने-समझने का नजरिया केवल दो वर्गों में रखकर करना सिखा दिया गया है (हिंदू या मुसलमान, देशभक्त या देशद्रोही, आस्तिक या धर्मनिरपेक्ष नास्तिक), क्या यह संभव है कि हम इस एकांगी दृष्टिकोण के बिना बौद्धिक स्पष्टता, ऐतिहासिक खोज एवं सूक्ष्म समझदारी से चीजें देख पाएं।**

आजकल देश में चुनाव चले रहे हैं। सत्ता पक्ष व विपक्ष में प्रचार की तेजी भी दिखाई दे रही है। अलग-अलग विचार धारा वाले दल चुनावी मैदान में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप भी बहुत लगाए जा रहे हैं। भारत एक सेक्यूलर देश है। पर चुनाव प्रचार में जिस तरह से जिम्मेदार नेता इस ताने-बाने को तार-तार कर रहे हैं वह कतई देश के लिए नुकसान देने वाला है। विचार धारा की लड़ाई गलत नहीं है पर राजनीतिक लाभ के लिए शीर्ष पर बैठे लोगों का इस तरह से सार्वजनिक बयानबाजी कहीं से सही नहीं ठहराया जा सकता है। आज भले ही यह दुनिया राजनीतिक रूप से संयोजित और ध्रुवीकृत कर दी जा चुकी है, जिसमें हमारी सोच में किसी को देखने-समझने का नजरिया केवल दो वर्गों में रखकर करना सिखा दिया गया है (हिंदू या मुसलमान, देशभक्त या देशद्रोही, आस्तिक या धर्मनिरपेक्ष नास्तिक), क्या यह संभव है कि हम इस एकांगी दृष्टिकोण के बिना बौद्धिक स्पष्टता, ऐतिहासिक खोज एवं सूक्ष्म समझदारी से चीजें देख पाएं। इस संदर्भ में, हम गांधी और टैगोर को याद करें।

गांधी का बतौर हिंदू किया गया धार्मिक एवं आध्यात्मिक प्रयोग उन्हें अन्य धार्मिक संप्रदायों से राजनीतिक-आध्यात्मिक सामंजस्य बनाने से नहीं रोकता था। यह वह रचनात्मक बोध था जिसने उन्हें भेदभाव एवं घृणा की मानसिकता से परे देखना सिखाया और अहिंसा के जरिए वैकल्पिक राजनीति के बीज बोए। अपनी इस राजनीतिक एवं जीवन-शैली के जरिए गांधी धर्मनिरपेक्षता बनाम अध्यात्म के दोगलेपन से ऊपर उठ गए। हमारे आसपास हर कोई- टेलीविजन के न्यूज एंकरों से लेकर पड़ोसियों तक या वो लोग जो सोशल मीडिया पर प्रत्येक छोटी-बड़ी घटना पर बिना आगा-पीछा जाने त्वरित टिप्पणियां करते हैं या फिर विद्यालय-कॉलेज के प्रधानाचार्य-उपकुलपति तक- लगता है सब गुस्से से भरे, अड़ियल, 'दुश्मनों' से लड़ने, उन्हें हराने या निपटने जैसी विषैली सोच से ग्रस्त हैं। हमारे दोस्त बेगाने बन गए हैं, यहां तक कि परिवार के सदस्यों के बीच नैसर्गिक बोलचाल लगातार मुश्किल बनती जा रही है। प्रेम तो मानो एक बुरा शब्द हो और नफरत एवं गुस्सा नया सामान्य चलन, और परम-मर्दानगी दिखाने एवं आत्ममुग्धता के बीच विनम्रता तो जैसे कमजोरी की निशानी हो। सवाल यह है कि क्या इस मानसिक व्याधि, सांस्कृतिक ह्रास और अत्यंत गुस्से अथवा व्यग्रता से खुद को बचाए रखना संभव है। जो प्रश्न मुझे और कई अन्यों को सालता है कि क्या इस हिंसा एवं कुटिलता भरे युग में बने रहकर भी आशा, अक्लमंदी एवं जीवन-पुष्ट कृत्यों से अपनी सकारात्मकता को बचाए रखना संभव है। सामूहिक अक्लमंदी के लिए हमें यत्न करने की जरूरत है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

प्रत्येक युवा हेतु प्रशिक्षुता अधिकार सुनिश्चित हो

संतोष मेहरोत्रा

कांग्रेस ने 2024 के आम चुनाव के जारी अपने घोषणा पत्र में उच्चतर सर्टिफिकेट, डिग्री, डिप्लोमाधारी तमाम युवाओं को प्रशिक्षुता का अधिकार देने का वादा किया है। यह संकल्प 25 वर्ष से नीचे के सभी युवाओं को उन जगहों पर प्रशिक्षण और रोजगार की गारंटी सुनिश्चित करता है जहां पर वे प्रशिक्षु रहते हुए कौशल सीखेंगे। यह प्रारूप जर्मनी के कौशल मॉडल सिद्धांत पर आधारित है (जहां स्कूली शिक्षा पाने के दौरान छात्रों को किसी न किसी काम का कार्यानुभव करवाया जाता है)। भारत में व्यवसायिक कौशल परिदृश्य सदा से आपूर्ति-संचालित रहा है, जिसमें विद्यार्थी को शिक्षा तो मिलती है लेकिन असल मायने में कोई व्यावसायिक कौशल नहीं सिखाया जाता। इस व्यवस्था में, रोजगार प्रदाताओं का उनसे न तो कोई सीधा संपर्क होता है न ही उन्हें प्रशिक्षु-कामगार रखने की जरूरत महसूस होती है। यह स्थिति भारत में सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम की कारगुजारी की समीक्षा करने की जरूरत दर्शाती है और यह भी कि क्योंकर प्रशिक्षुता का अधिकार सुधार लाने की दिशा में एक सही कदम होगा।

भारत में 2000 के दशक तक, लगभग आधी सदी तक व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण का क्षेत्र उपेक्षित रहा है (यह भारत की योजना नीतियों में समुचित स्कूली शिक्षा पर ध्यान न देने जैसा है) जिसकी कीमत आज हम चुका रहे हैं। वर्ष 1991 में, जब भारत में आर्थिक सुधार होने शुरू हुए, साक्षरता दर 51 प्रतिशत थी, अर्थात भारत की कुल आबादी का आधा हिस्सा अनपढ़ था और यह तबका अधिकांशतः कृषि क्षेत्र में केंद्रित था। हालांकि 1990 के दशक में स्कूली शिक्षा पर अधिक खर्च करने के रूप में नए सिरे से जोर देना शुरू हुआ परंतु शिक्षा के साथ व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण देना फिर भी उपेक्षित बना रहा (हालांकि उच्च तकनीकी शिक्षा में ऐसा नहीं था)। 11वीं पंचवर्षीय योजना (2007-12) पहली ऐसी थी जिसमें कौशल विकास के विषय पर एक अलग से अध्याय था। परिणामस्वरूप, भारत का उत्पादन क्षेत्र एवं सेवा श्रम बल की संरचना आज भी निम्न शिक्षा वालों से ही बनी है।

बदतर स्थिति यह कि राष्ट्रीय सैम्पल सर्वे विभाग का रोजगार-बेरोजगारी अध्ययन 2011-12 बताता है कि श्रम बल का महज 2.2 प्रतिशत हिस्सा औपचारिक प्रशिक्षु श्रेणी से है। आवधिक श्रम बल सर्वे के आंकड़े

दर्शाते हैं कि औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त श्रमिकों की संख्या वर्ष 2011-12 में 2.2 फीसदी थी (1 करोड़ 43 लाख) जो 2017-18 में घटकर 2 प्रतिशत (91 लाख 40 हजार) रह गई। लेकिन अगले पांच साल यानी 2022-23 में यह 3.7 फीसदी (2 करोड़ 5 लाख) हो गई। इसलिए, जिन्हें हम व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित कह सकते हैं, वे कहां से आन जुड़े? आवधिक श्रमबल सर्वे-2017-18 बताता है कि कुल व्यावसायिक प्रशिक्षुओं में 22 फीसदी वह थे जिन्होंने 6 माह से कम अवधि का कोर्स किया हो, अब यह अंश बढ़कर 37 प्रतिशत हो गया है। अधिक चिंताजनक यह कि 2017 में 29 फीसदी प्रशिक्षु ऐसे थे जिन्होंने दो साल या अधिक अवधि के कोर्स किए थे, जो अब घटकर 14.29 फीसदी रह गए हैं। भारत कौशल मिशन नामक कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षुता अवधि बहुत कम है (कुछ मामलों में तो महज 10 दिन)। वर्ष 1961 से भारत का अपना प्रशिक्षुता अधिनियम है, जिसके तहत तमाम पंजीकृत कंपनियों और उद्यमों के लिए जरूरी है कि वे अपने यहां एक साल या उससे अधिक अवधि के लिए प्रशिक्षु रखें ताकि वे नौकरी पर रहते हुए व्यावयायिक दक्षता हासिल कर पाएं। दस साल पहले गैर-कृषि उद्यम वर्ग में लगभग 2,50,000 पंजीकृत प्रशिक्षुक थे। अगस्त, 2016 में, भारत सरकार ने राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना शुरू की, जिसके लिए 10,000 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया। हालांकि इसका उद्देश्य था कि वर्ष 2020 तक 50 लाख युवा प्रशिक्षु बनकर कौशलयुक्त हो सकेंगे लेकिन 2022 तक 20 लाख ही बन पाए। 2017 से 2022 के बीच, इस योजना के लिए रखे गए 10,000 करोड़ रुपये में केवल 650 करोड़ रुपये ही राज्यों को मिले। 2023 में राष्ट्रीय प्रशिक्षुता योजना-2 शुरू की गई, लेकिन इसके आंकड़े फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं।

2022 में आए अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के एक अध्ययन का निष्कर्ष था कि 1961 वाले अधिनियम में किए गए संशोधन भारत में प्रशिक्षुओं की संख्या में बढ़ोतरी करने में सहायक रहे। 2022-23 में कुल 57 करोड़ श्रम बल में औपचारिक प्रशिक्षुता वर्ग में आने वालों की गिनती केवल 5 लाख के आसपास थी, हालांकि दस साल पहले यह संख्या 2.5 लाख थी। स्पष्ट है कि संशोधनों का परिणाम चमत्कारी नहीं रहा। इसमें हैरानी नहीं होनी चाहिए, क्योंकि लगभग संपूर्ण निजी कॉर्पोरेट सेक्टर अपने यहां प्रशिक्षुता योजना लागू करने के प्रति ज्यादातर उदासीन रहा है।

पौष्टिक खुराक की निर्देशावली का हो पालन

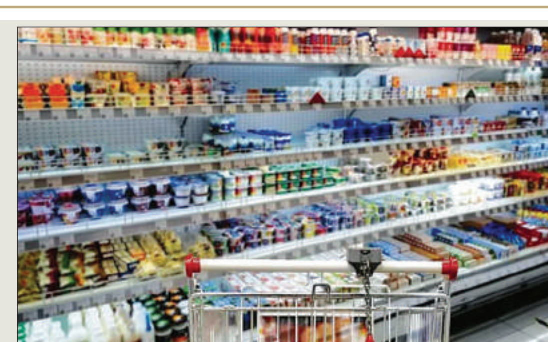

दिनेश सी. शर्मा

पिछले सप्ताह हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पौष्टिकता संस्थान -जो कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के तत्वावधान तले देश में सबसे पुरानी अनुसंधान प्रयोगशालाओं में एक है, ने 'भारतीयों के लिए खान-पान दिशा निर्देश' जारी किये हैं। यह दस्तावेज हजारों स्वयंभू और तथाकथित विशेषज्ञों द्वारा सोशल मीडिया पर पौष्टिकता, भोजन एवं खुराक को लेकर मचाई जाने वाली चिल्ल-पों के बीच ताजी हवा का झोंका बनकर आया है क्योंकि उक्त लोगों की भोजन और पौष्टिकता पर कही अधिकांश बातें भ्रामक और झूठी होती हैं। आलम यह है कि एक ओर खाद्य पदार्थ उत्पादक कंपनियां और घर तक व्यंजन पहुंचाने वाले एप्प आधारित सेवा प्रदाता उपभोक्ता को यकीन दिलवा रहे हैं कि घर का खाना एक पाप है। वहीं फूड-ब्लॉगर हर ऐरे-गैरे रेहड़ी-ढाबे वाले के चीनी, नमक और वसा से भरे ऊलजलूल व्यंजनों को 'असली स्वाद' और 'स्वर्गिक' बताकर महिमामंडित कर रहे हैं। स्वयंभू पौष्टिकता विशेषज्ञ और मशहूर चेहरे अंजान उपभोक्ता को खान-पान का नया चलन बताकर उलझा रहे हैं। फैक्ट्री में बने खाद्य उत्पादों पर 'स्वास्थ्यकर' व 'ताजा' का ठप्पा लगाकर बेचा जा रहा है जबकि सेहत- ताजगी से दूर-दूर तक वास्ता नहीं है।

निस्संदेह, एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम द्वारा विभिन्न उम्र वर्ग और अंचल के लोगों के लिए प्रमाण-आधारित और तथ्यात्मक खुराक निर्देशावली जारी करना स्वागत योग्य है। लगभग एक सदी से एनआईएन (नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन) भारत में पौष्टिकता और खाद्य संबंधी अनुसंधान कार्य में लगा है और इस विषय में ज्ञान का भंडार है। पौष्टिकता संबंधी लगभग सभी राष्ट्रीय कार्यक्रम जैसे कि एकीकृत बाल विकास योजना, मिड-डे मील योजना और साल्ट आयोडाइजेशन के अलावा पौष्टिकता की कमी के उत्पन्न रोगों का निदान करने वाली योजनाएं एनआईएन द्वारा दिए वैज्ञानिक शोध आधारित परामर्श पर आधारित है। खुराक संबंधी नवीनतम निर्देशावली इस समृद्ध विरासत का एक हिस्सा है।

सरसरी तौर पर देखने पर 17 निर्देशों वाला यह परामर्श पुरानी बातें और साधारण सा लगता है, मसलन, विभिन्न भोज्य पदार्थों से युक्त खुराक स्वास्थ्यकर होती है, फल और सब्जियों का सेवन अधिक मात्रा में करें और वसा का उपयोग न कम, न ज्यादा मात्रा में करें। लेकिन इस निर्देशावली की असली ताकत है प्रत्येक निर्देश भारत के संदर्भ में प्रमाण आधारित है। इस संहिता में प्रत्येक आयु-वर्ग के स्वास्थ्य को प्रोत्साहन और बीमारियों की पूर्व-रोकथाम पर जोर दिया गया है, इसमें जहां एक ओर विशेष ध्यान शिशुओं, स्तनपान करवाने वाली महिलाओं और बुजुर्गों पर है तो वहीं अन्य अवयवों की भूमिका जैसे कि शारीरिक गतिविधियां, सुरक्षित पेयजल, साफ-सफाई और पर्यावरणीय पहलुओं पर भी है। इस खुराक परामर्श को भोजन वर्ग और आम भारतीय की खुराक एवं खाद्य अवयवों को आधार बनाकर तैयार किया गया है, जैसे कि, अनाज, दालें, दूध, सब्जियां और फलों का समुचित मात्रा में समावेश कर खुराक तय करना।

इस दस्तावेज का एक अहम हिस्सा है खाद्य उत्पादों पर लगे लेबल को सही ढंग से पढ़ना और समझना सिखाना। इसमें प्रचलित भ्रामक दावों की असलियत समझाई गई है, जैसे कि पूर्ण प्राकृतिक, असली फल या रस युक्त, पूर्ण अनाज (मिल्लेट), चीनी-मुक्त, कॉलेस्ट्रॉल रहित, स्वास्थ्य-मित्र, जैविक, कम-वसा युक्त इत्यादि अर्धसत्य शब्दों का प्रयोग करना। अतएव लोगों के मन में बैठायी गई गलत धारणा के आलोक में एनआईएन जैसे प्रमाणिक संस्थान द्वारा लेबल को सही अर्थों में समझाना बहुत महत्वपूर्ण बन जाता है। इन दिशा-निर्देशों का बृहद संदर्भ है भारत में इन दिनों बीमारियों द्वारा नया रूप धरने की प्रक्रिया। देश के समक्ष जहां कुपोषण और अल्पपोषण रूपी समस्या है तो दूसरी ओर मोटापा और अति-मोटापा। अनुमान है कि भारत में बीमारियों के कुल बोझ के पीछे 56.5 फीसदी कारक गलत खुराक है। व्याधियों में अधिकतर हिस्सा मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग का है। शारीरिक गतिविधियों में बढ़ोतरी के साथ स्वास्थ्यकर भोजन लेने से हृदय संबंधी अवस्था, रक्तचाप और मधुमेह टाइप-2 जैसी बीमारी को काफी हद तक घटाया जा सकता है। एनआईएन का सर्वेक्षण बताता है कि 1-19 साल आयु-वर्ग में काफी संख्या अब उनकी है जिनमें उम्र से पहले गैर-संक्रमित रोग जैसे कि मधुमेह और उच्च-रक्तचाप देखने को मिल रहे हैं।

कुपोषित एवं अल्प-पोषित और सामान्य वृद्धि वाले बच्चों की आधी संख्या में मैटाबॉलिक बायोमार्कर्स का मिलना चिंता का विषय है। हमारी रोजमर्रा की खुराक मूलतः नाकाफी है। मसलन, भारतीयों की रोजाना की खाद्य ऊर्जा जरूरत (2000 कैलोरी) में सामान्यतः ग्राह्य भोजन में अनाज (चावल, गेहूं, मोटा अन्न) की मात्रा कायदे से 45 फीसदी तक होनी चाहिए, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि इनका अंश 50-70 प्रतिशत तक है। एनआईएन का कहना है कि जनसंख्या के बड़े भाग में माइक्रोन्यूट्रेंट-सघन पदार्थ (अनाज, दालें, फलियां, मेवा, ताजा सब्जी, फल इत्यादि) का सेवन अनुशंसित स्तर से कम है। सीमित उपलब्धता और दालों एवं मांस की ऊंची कीमतें लोगों को गेहूं-चावल जैसे आम अनाज पर निर्भर रहने को मजबूर करती हैं। इसके अलावा, स्वास्थ्यप्रद विकल्पों की अपेक्षा अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, बहुत अधिक वसा, नमक और चीनी युक्त खाद्य वस्तुओं का मूल्य अधिक वहन योग्य और सुलभ हो गया है।

आंवला जूस
गर्मियों में शरीर रहेगा ठंडा

इम्यूनिटी बढ़ाएं

गर्मी के मौसम में बहुत जल्दी बीमार पड़ जाते हैं। इस दौरान लोग कई वायरल समस्याओं और लू की चपेट में भी बहुत जल्दी आ जाते हैं। ऐसे में आंवला जूस का सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और लू से बचाने में मदद करता है।

पेट को रखे स्वस्थ

पेट संबंधी समस्याएं गर्मी के मौसम में लोगों को काफी परेशान करती हैं। आंवला जूस पाचन को बढ़ावा देता है। यह उल्टी, दस्त, कब्ज, गैस और ब्लोटिंग आदि से बचाव में भी मदद करता है।

शरीर को दें ठंडक

तासीर में ठंडा होने की वजह से आंवला जूस पीने से शरीर के तापमान को कम रखने में मदद मिलती है। आप ठंडा और शांत महसूस करते हैं।

त्वचा और बाल रखे स्वस्थ

आपके सौंदर्य को बनाए रखने में भी आंवला जूस बहुत लाभकारी है। यह गर्मियों के दौरान त्वचा और बालों से जुड़ी कई समस्याओं से बचाव और उनसे छुटकारा प्रदान करने में भी मदद करता है। आंवला जूस के स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने के लिए आप सुबह खाली पेट या दिन में आंवला जूस का सेवन कर सकते हैं। नियमित इसके सेवन से सेहत को कई लाभ मिलेंगे।

हाइड्रेट रखने में करें मदद

गर्मियों में शरीर से काफी पसीना निकलता है, जिससे शरीर से तरल अधिक बाहर निकलता है। जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इसलिए शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए अधिक तरल पदार्थों का सेवन करने की आवश्यकता होती है। आंवला जूस पीने से आपको शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद मिल सकती है।

आंवला वैसे तो साल भर बाजार में देखने को मिलता है। लेकिन गर्मियों में इसका सेवन करने सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद साबित हो सकता है। यह गर्मियों के दौरान होने वाली कई समस्याओं से बचाव और उनसे राहत प्रदान करने में मदद करता है। आंवला का सेवन को डाइट में लोग कई तरह से शामिल करते हैं। कुछ लोग सीधे तौर पर सेवन करना पसंद करते हैं, तो कुछ इसका मुरब्बा, अचार और कैंडी आदि का सेवन करते हैं। आप किसी भी रूप में आंवला का सेवन क्यों न करें, यह अद्भुत स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। इसी तरह गर्मी के मौसम आंवला का जूस भी बहुत लाभकारी होता है। आंवला जूस विटामिन सी से भरपूर होता है। यह आयरन, कैल्शियम, पोटेशियम, प्रोटीन जैसे जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं, साथ ही इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स गुण और पॉलीफेनोल नामक एक्टिव कंपाउंड होते हैं। जो न सिर्फ आपको सेहतमंद रखने में मदद करते हैं, बल्कि कई रोगों को भी आपसे दूर रखते हैं। इसके अलावा आंवला की तासीर ठंडी होती है, इसलिए गर्मियों के लिए आंवला जूस एक बेहतरीन एनर्जी ड्रिंक साबित हो सकती है।

हंसना मना है

मेहमान- और बताओ बेटा आगे का क्या प्लान है... बच्चा- बस आपके जाते ही बिस्कुट खाउंगा... वैसे भी नमकीन और मेवा तो आपने छोड़ी नहीं है....

पति (किताब पढ़ते हुए) - एक लेखक ने लिखा है कि पतियों को भी बोलने की आजादी होनी चाहिए...!!! पत्नी (हंसते हुए) - देखो वो भी बेचारा लिख ही पाया, बोल नहीं पाया...!!!

पिता- पढ़ ले नालायक, कभी तूने अपनी कोई बुक खोलकर भी देखी है। बेटा- हां पापा देखी है, बल्कि रोज देखता हूं उसे। पिता- कौन सी बुक पढ़ने लगा है तू? बेटा-फेसबुक।

गोलू- रात भर मुझे नींद नहीं आई। मोलू- क्यों? गोलू- रात भर मैंने सपने में देखा कि मैं जाग रहा हूं।

पत्नी- सुनो मेरे मुंह में मच्छर चला गया, अब क्या करूं? पति- पगली ऑल आउट पी ले। छह सेकंड में काम शुरू।

सोचा था 2 शादियां करूंगा, 1 पीटेगी तो दूसरी बचायेगी, रात को सपना देखा एक ने पकड़ रखा था, दूसरी पीट रही थी।

कहानी | अभिमन्यु का वध

कुरुक्षेत्र में कौरवों और पांडवों के बीच 18 दिन तक घमासान युद्ध चला था। एक दिन कौरवों ने छल से युद्ध जीतने के लिए एक रणनीति बनाई। कि वो अर्जुन को युद्ध में उलझाकर चारों भाइयों से दूर ले जाएंगे और फिर युधिष्ठिर को बंदी बनाकर युद्ध जीत लेंगे। अब युद्ध वाले दिन कौरव सेना की एक टुकड़ी अर्जुन से युद्ध करते हुए उन्हें रणभूमि से दूर ले गई। वहीं, गुरु द्रोणाचार्य ने युधिष्ठिर को बंदी बनाने के लिए चक्रव्यूह की रचना की, जबकि पांडवों में सिर्फ अर्जुन को पता था कि चक्रव्यूह को कैसे तोड़ना है। अर्जुन के दूर जाते ही द्रोणाचार्य ने पांडवों को ललकारते हुए कहा कि या तो युद्ध लड़ो या फिर हार मान लो। यदि युद्ध न करते तो भी हार जाते और युद्ध करते तो भी हार निश्चित थी। अब धर्मराज युधिष्ठिर को कुछ सूझ नहीं रहा था कि क्या करें और क्या न करें। उसी समय युधिष्ठिर के सामने एक युवक खड़ा हुआ और कहा, काकाश्री, मुझे चक्रव्यूह को तोड़ने और युद्ध करने का आशीर्वाद दीजिए। यह युवक अर्जुन का पुत्र अभिमन्यु था। सभी जानते थे कि वह युद्ध कौशल में अपने पिता के जैसा ही निपुण है। युधिष्ठिर ने अभिमन्यु को मना किया, लेकिन अभिमन्यु नहीं माना और उसने कहा, मुझे चक्रव्यूह तोड़ना आता है। जब मैं अपनी मां के गर्भ में था, तो पिता ने मां को चक्रव्यूह तोड़ने का तरीका बताया था। बस तभी मैंने इसे सीख लिया था। मैं आगे रहूंगा और आप सब मेरे पीछे-पीछे आइए। इस तरह युद्ध में सबसे आगे अभिमन्यु था और बाकी सब उसके पीछे। अभिमन्यु को रणक्षेत्र में देखकर कौरव मजाक उड़ाने लगे कि यह छोटा बालक क्या युद्ध करेगा, लेकिन जब उन्होंने अभिमन्यु के युद्ध कौशल को देखा, तो उनके पसीने छूट गए। आगे बढ़ते हुए अभिमन्यु ने दुर्योधन के पुत्र लक्ष्मण को मार गिराया और चक्रव्यूह में प्रवेश कर गया। उसके चक्रव्यूह में प्रवेश करते ही सिंधू के राजा जयद्रथ ने चक्रव्यूह का द्वार बंद कर दिया, ताकि चारों भाई चक्रव्यूह में प्रवेश न कर पाएं। अभिमन्यु आगे बढ़ता जा रहा था। उसने एक-एक करके सभी योद्धाओं को हरा दिया, जिनमें स्वयं दुर्योधन, कर्ण और गुरु द्रोण भी शामिल थे। किसी को कोई उपाय समझ नहीं आ रहा था, तभी कौरवों के सभी महारथियों ने एकसाथ मिलकर अभिमन्यु पर हमला कर दिया। किसी ने उसका धनुष तोड़ दिया, तो किसी ने रथ। फिर उसने रथ का पहिया उठाकर युद्ध करना शुरू कर दिया। आखिर वह अकेला कब लड़ता। अंत में सभी ने मिलकर उसकी हत्या कर दी और अभिमन्यु वीर गति को प्राप्त हुआ। अभिमन्यु की मृत्यु के बाद अर्जुन ने प्रतिज्ञा ली कि वह अगले दिन युद्ध में जयद्रथ का वध कर देगा। आज शूरवीर अभिमन्यु का नाम कर्ण और अर्जुन से भी पहले सम्मान के साथ लिया जाता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा।

वृषभ प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है।

मिथुन प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा।

कर्क शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

सिंह आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें।

कन्या घर-बाहर सहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों समय पर संपन्न होंगे। आय में वृद्धि हो सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

तुला व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

वृश्चिक सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

धनु कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मकर कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

कुम्भ व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है।

मीन भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

बायोपिक में पीएम मोदी की भूमिका निभाएंगे बाहुबली के कटप्पा

साउथ अभिनेता अपनी दमदार अदाकारी के लिए जाने जाते हैं। वे कई फिल्मों में अपने अभिनय का जौहर दिखा चुके हैं। उन्होंने प्रभास अभिनीत फिल्म फ्रेंचाइजी बाहुबली में कटप्पा का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया था। यह सत्यराज के करियर की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका थी। वहीं, अब चर्चा है कि सत्यराज एक और महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं। दरअसल, सोशल मीडिया पर अभिनेता की अगली फिल्म को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। वे अगली बार बायोपिक में नजर आने वाले हैं और खबर है यह कि बायोपिक में सत्यराज वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, ये अफवाहें इंटरनेट पर तेजी से फैली हुई हैं। अभी इन खबरों की पुष्टि होना बाकी है। यदि ऐसा होता है तो सत्यराज को पीएम मोदी की भूमिका में देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन के बारे में बनने जा रही यह कोई पहली फिल्म नहीं होगी। इससे पहले भी पीएम मोदी का किरदार कई सितारे निभा चुके हैं। बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने 2019 की पीएम मोदी की जीवनी पर आधारित फिल्म पीएम नरेंद्र मोदी में उनका किरदार निभाया था। इसके साथ महेश ठाकुर समेत अन्य सितारे भी पर्दे पर पीएम मोदी बन चुके हैं। वहीं चर्चा है कि सत्यराज जिस फिल्म में पीएम मोदी का किरदार निभाने वाले हैं, उसकी शूटिंग इस साल शुरू हो जाएगी। हालांकि, फिल्म से जुड़ी अन्य जानकारी फिलहाल गुप्त रखी गई है। फिल्म के अन्य कलाकार और क्रू और तकनीकी टीम के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। बाहुबली में कटप्पा की भूमिका निभाने के बाद से सत्यराज अपनी आगामी साउथ फिल्मों फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं।

खतरों के खिलाड़ी-14 मेरे नाम से जाना जाएगा : शिंदे

खतरों के खिलाड़ी 14 का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रोहित शेट्टी के इस रोमांचकारी शो में टीवी के सितारे खतरों से खेलते हुए दिखाई देते हैं। इसमें हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों को लेकर भी चर्चाओं का बाजार अक्सर गर्म रहता है। इस बार शिल्पा शिंदे भी शो में शिरकत करने वाली हैं। अभिनेत्री ने शो में हिस्सा लेने को लेकर अपना अनुभव साझा किया है। शिल्पा शिंदे से पूछा गया कि शो के लिए वह कैसे तैयारी कर रही हैं। इस पर अभिनेत्री ने कहा, मैं अच्छा खाना खा कर और अच्छी नींद लेकर तैयारी कर रही हूं क्योंकि मुझे नहीं पता कि वहां कैसा खाना मिलेगा। तो मैं उससे एनर्जी ले रही हूं। बाकी मैं वहां जाने के लिए काफी उत्सुक हूं और अब आगे देखते हैं कि क्या होता है। आगे अभिनेत्री से पूछा गया कि उन्होंने शो में इस सीजन जाना ही क्यों सोचा। इससे पहले भी उनके पास ऑफर आए होंगे। इस पर अभिनेत्री ने कहा, क्या बताऊं हो सकता है कि किस्मत में मेरी यही सीजन लिखा था। या हो सकता है कि शो का 14वां सीजन जीतना मेरे ही नसीब में हो। आगे शिल्पा से पूछा गया कि शो में जाकर वह अपना कौन सा डर दूर करना चाहेंगी? इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा, अभी तो मुझे किसी चीज से डर नहीं लगता। मेरा डर अब खत्म हो गया है। अभी मैं इसे लेकर कुछ नहीं बता सकती हूं। शिल्पा का कहना है कि मानसिक रूप से अगर आप फिट हैं तो कुछ भी कर सकते हैं तो मैं अभी काफी सकारात्मक सोच से जा रही हूं। मैं चाहती हूं कि यह शो मेरे नाम से जाना जाए। इस शो में कुछ अलग हो और कुछ विवाद न हो। अपने को-कंटेस्टेंट के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने

बॉलीवुड | मसाला

कहा कि कृष्णा श्रॉफ काफी फिट हैं तो मुझे उनसे थोड़ा डर है। मुझे लगता है कि सब एक-दूसरे तो गुमराह कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि आप पर ज्यादा प्रेशर है क्योंकि आपने काफी शो जीते हैं। इसके जवाब में शिल्पा ने कहा, नहीं ऐसा नहीं है। मुझे लगता है कि यह बिग बॉस का घर न बन जाए। रोहित शेट्टी के साथ काम करने को लेकर शिल्पा ने कहा, मुझे उनकी डांट से डर लग रहा है। ये कोशिश रहेगी कि इससे मैं थोड़ा दूर रहूं।

श्रीकांत एक उत्साहवर्धक कहानी है: रणवीर सिंह

फिल्म देखने के बाद राजकुमार राव के हुए मुरीद

राजकुमार राव अलाया एफ और ज्योतिका स्टारर फिल्म श्रीकांत को रिलीज हुए एक हफ्ते से ज्यादा का समय हो गया है। दर्शकों और क्रिटिक्स से इस मूवी को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। हर कोई फिल्म देखने के बाद अभिनेता के अभिनय की तारीफ करता हुआ नजर आ रहा है। बीते दिन अक्षय कुमार ने फिल्म और राजकुमार राव की तारीफ की थी। अब एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी और अभिनेता रणवीर सिंह ने श्रीकांत देखने के बाद अपना रिव्यू शेयर किया है। तृप्ति डिमरी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम की स्टोरी पर श्रीकांत का एक छोटा सा वीडियो शेयर किया। इस वीडियो के साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा कि राजकुमार राव अपने खुद को ही मात दे दी है, लेकिन कैसे। आप अपने किरदार के लिए सच्चे हैं... आप इतना रियल होना कैसे मैनेज करते हैं। मजा आ गया। इसके जवाब में राजकुमार ने भी उनका शुक्रिया अदा किया। श्रीकांत देखने के बाद रणवीर भी फिल्म की तारीफ करने से पीछे नहीं हटे। उन्होंने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि एक उत्साहवर्धक कहानी और एक खास अभिनेता का बेहतरीन प्रदर्शन। श्रीकांत की टीम को बधाई। तुषार हीरानंदानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राजकुमार राव के साथ शरद केलकर भी मुख्य भूमिका में दिखाई दिए हैं। 10 मई को रिलीज हुई राजकुमार राव स्टारर इस फिल्म ने 8 दिन में अभी तक बॉक्स ऑफिस पर 19.71 करोड़ की कमाई कर ली है। हर दिन इसकी कमाई में धीरे-धीरे बढ़ोतरी हो रही है। अभिनेता के वर्क फ्रंट की बात करें, तो वह जल्द ही जाह्नवी कपूर के साथ मिस्टर एंड मिसेज माही में दिखाई देने वाले हैं। वहीं, विक्की विद्या का वो वाला वीडियो और स्त्री 2 भी उनकी पाइपलाइन में हैं।

अजब-गजब | सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन

40 मंजिल की इमारत जितनी है गहराई

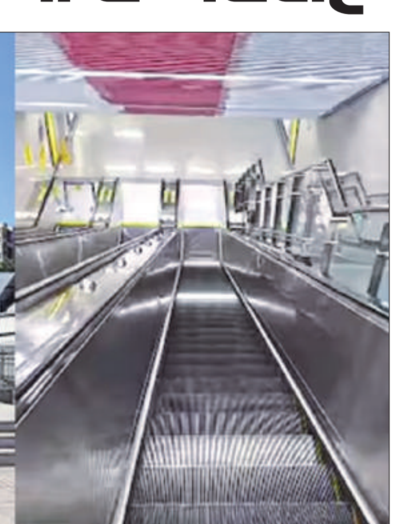

जब बात चीन की हो तो लोगों को उन अनोखी तकनीकों का खयाल आता है, जो चीन के लोगों ने बनाई हैं। टेक्नोलॉजी की फील्ड में चीन का जवाब चीन में ही एक बेहद गहरा मेट्रो स्टेशन है, जो चीन में सबसे गहरा स्टेशन तो है ही, साथ ही उसे दुनिया का सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन माना जाता है। इन दिनों इस मेट्रो स्टेशन से जुड़ा एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला उस स्टेशन के बाहर से अंदर जाती है और दिखाती है कि वो कितना गहरा है। जब आप इसे देखेंगे तो हैरान हो जाएंगे। इंस्टाग्राम अकाउंट पर हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया है, जिसमें एक महिला चीन के शॉन्कींग में हॉन्ग्यानकुन मेट्रो स्टेशन के अंदर प्रवेश करती नजर आ रही है। वो बताती है कि ये चीन का सबसे गहरा सबसे स्टेशन, यानी मेट्रो स्टेशन है। ऑडिटी सेंट्रल न्यूज वेबसाइट के साथ-साथ कई अन्य पोर्टल्स की ओर से ये भी दावा किया गया है कि ये दुनिया का सबसे गहरा सबवे स्टेशन है। रिपोर्ट के अनुसार इस स्टेशन की गहराई 116 मीटर है। इस लिहाज से ये करीब 35 से 40 मंजिल की इमारत जितना गहरा है। जब लोग इस मेट्रो स्टेशन के अंदर लिफ्ट से जाते हैं, तो उनके कान तक बंद हो जाते हैं। इस मेट्रो स्टेशन को बनाने के दौरान मजदूरों को नीचे से ऊपर आने में 38 मिनट तक का वक्त लग जाता था। अब एस्कलेटर और लिफ्ट के जाल की बदौलत लोगों को 10 मिनट तक वक्त एंट्री और एग्जिट में लग जाता है। साल 2017 से इसका निर्माण कार्य शुरू हुआ था, जो 2022 में जाकर पूरा हुआ। ये जगह पहाड़ी इलाके में है, इस वजह से मेट्रो बनाने वाले लोगों को काफी नीचे तक खुदाई करनी पड़ी, जिससे वो मेट्रो लाइन से इसे जोड़ सकें। वायरल वीडियो में आप देख सकते हैं कि महिला को कितने सारे एस्कलेटर पार करने पड़े, तब वो स्टेशन के दूसरे तरफ के एग्जिट तक पहुंच पाई। अंदर इतने एस्कलेटर हैं और लोगों को इतना ज्यादा चलना पड़ रहा है कि शायद आप सोचें कि इससे अच्छा दूसरी जगह तक जाने के लिए टैक्सी बुक कर लेनी चाहिए थी। इस वीडियो को 14 लाख व्यूज मिल चुके हैं और बहुत लोगों ने इस वीडियो पर हैरानी भी जताई है।

साइंटिस्ट ने बनाई ऐसी डिवाइस, चेहरा देखकर पहचान लेगा इंसान ताना मार रहा है या नहीं!

कटाक्ष, व्यंग या ताना एक अहम भाव है जो इंसान के चेहरे से अक्सर झलकता है। अभी तक एआई तकनीक के चेहरे की पहचान करने वाली तकनीकें या उपकरणों की खूब चर्चा रही है। लेकिन चेहरे के भावों की पहचान करने के वाली तकनीक का जिक्र नहीं होता था। हाल ही में हुए नए शोध में वैज्ञानिकों ने इस दिशा में भी एक कदम आगे बढ़ा दिया है। अब वैज्ञानिकों ने एक सरकाज्म डिटेक्टर यानी चेहरे के व्यंग्य, कटाक्ष या ताना मारने वाले भाव की पहचान करने वाला उपकरण बना लिया है, जो वास्तव में काम करता है। यानी की अब एआई जोक्स या चुटकुले भी समझ सकती है! इस तरह के भाव की व्याख्या करना आसान नहीं है। यहां तक कि साहित्य में भी इसे काफी जटिल बताया जाता है। खुद मशहूर लेखक ऑस्कर वाइल्ड ने व्यंग्य को बुद्धि का निम्नतम रूप, लेकिन बुद्धिमत्ता का उच्चतम रूप के रूप में बताया है। एक्सपर्ट कहते हैं कि इंसान की आवाज स्वर में महीन बदलाव जो व्यंग्य व्यक्त करते हैं, कंप्यूटर को भी भ्रमित कर देते हैं, आभासी सहायकों और सामग्री विश्लेषण उपकरणों को भी भ्रमित करते हैं। लेकिन अब साइंटिस्ट इसका जवाब निकालने में सफल हो गए हैं। उनका कंप्यूटर एल्गोरिदम वक्ता की पिच, बात करने की दर और ऊर्जा को रिकॉर्ड करता है। यह इंसान के बोले गए हिस्से को एक पाठ में बदलता है और उसका विश्लेषण करता है। इस पाठ के हर हिस्से के अर्थ को तय किया जाता है और इस के लिए उसे एक इमोटिकॉन दिया जाता है। डिटेक्टर का आविष्कार ग्रोनिंगन विश्वविद्यालय में स्पीच टेक्नोलॉजी लैब में किया गया है। डच टीम अब इसे और बेहतर बनाने के तरीकों की तलाश कर रही है। पीएचडी शोधकर्ता जियुआन गाओ का कहना है कि लोग भाषण में व्यंग्यात्मक तत्वों को उजागर करने के लिए कई प्रकार की अभिव्यक्तियों और इशारों का उपयोग करते हैं। इन्हें हमारे प्रोजेक्ट में बेहतर ढंग से जोड़ने की जरूरत है। गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, शोध टीम ने तंत्रिका नेटवर्क को प्रशिक्षित करने के लिए फ्रेंड्स और द बिग बैंग थ्योरी जैसे अमेरिकी सिटकॉम के वीडियो क्लिप और अन्य टेक्स्ट और ऑडियो सामग्री का उपयोग किया और अपने नतीजे हासिल भी किए जिससे वैज्ञानिक काफी उत्साहित हैं।

विश्वसनीय नीति निर्माण की शुरुआत करेगी कांग्रेस : जयराम रमेश

भय और अनिश्चितता के माहौल से लोगों का हुआ देश से पलायन

» बोले- इंडिया गठबंधन की सरकार समग्र समृद्धि के लिए करेगी प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर डर फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार स्थिर, विश्वसनीय नीति निर्माण और समग्र समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत करेगी। विपक्षी दल का यह बयान तब आया जब गृह मंत्री शाह ने एक टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार में कहा कि शेयर बाजार को चुनाव से नहीं जोड़ा जाना चाहिए, लेकिन एक स्थिर सरकार बेहतर प्रदर्शन करने में इसकी मदद करती है। लोकसभा चुनाव में भाजपा और इसके सहयोगियों की जीत के परिणामस्वरूप चार जून के बाद बाजार में तेजी आएगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान में कहा, वित्तीय बाजारों को लेकर इंडिया गठबंधन की सरकार के बारे में निवर्तमान गृह मंत्री द्वारा फैलाए गए भय का कोई आधार नहीं है।

उन्होंने कहा कि मजबूत और समावेशी आर्थिक विकास प्रदान करने में कांग्रेस का रिकॉर्ड खुद इस बारे में बोलता है। रमेश ने कहा, यह रिकॉर्ड की बात है कि डॉ. मनमोहन सिंह के शासनकाल में आर्थिक विकास और निवेश मोदी सरकार की तुलना में बहुत अधिक था। प्रतिशत के रूप में निजी निवेश और विनिर्माण की हिस्सेदारी पिछले दशक की तुलना में डॉ. सिंह के शासनकाल में बहुत अधिक थी। उन्होंने कहा कि नोटबंदी, जीएसटी और गलत योजना के साथ लॉकडाउन लगाने जैसी नीतिगत त्रुटियों ने पिछले दशक में विकास दर के कम रहने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रमेश ने कहा, लेकिन उतना ही महत्वपूर्ण मोदी सरकार द्वारा बनाया गया भय और अनिश्चितता का माहौल भी है, जिसके कारण भारत से दुबई, लंदन और सिंगापुर जैसे स्थानों पर धन सृजन करने वालों का सबसे बड़ा पलायन हुआ है। इस संदर्भ में इंडिया गठबंधन सरकार का सबसे महत्वपूर्ण कार्य अविश्वास और भय के मौजूदा माहौल को दूर करना तथा एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र बनाना होगा जहां निजी उद्यम, नियामक प्राधिकरण, कर प्राधिकरण और सरकार आपसी सहयोग एवं सम्मान की भावना से काम करेंगे जैसा कि हमने अपने न्याय पत्र- घोषणापत्र में लिखा है।

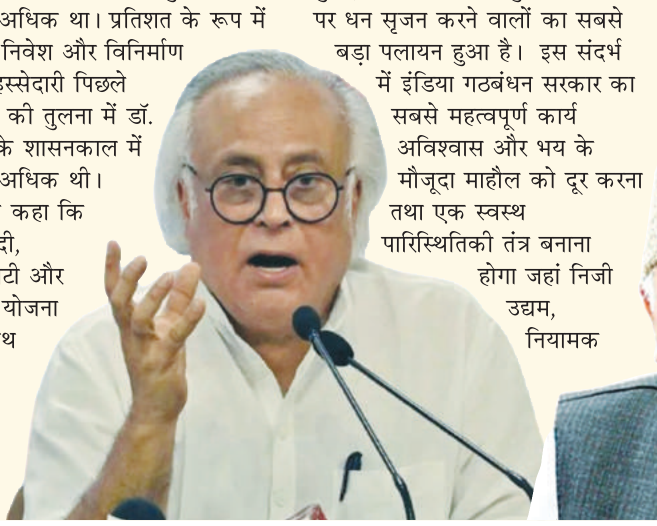

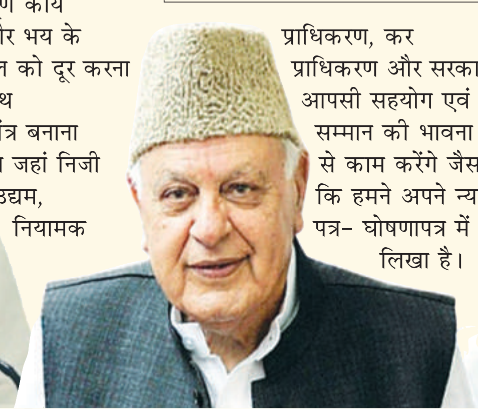

यूपीए की सरकार होती तो भी बनता राम मंदिर : गहलोत

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि अगर केंद्र में यूपीए या कांग्रेस की सरकार होती तो भी राम मंदिर बनता। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बना है। उन्होंने कहा कि चुनावी सभाओं में प्रधानमंत्री और भाजपा के नेता लगातार झूठ बोल रहे हैं और चुनाव जीतने के लिए वे किसी भी हद तक जा सकते हैं। देश की जनता उनके झूठ को जान चुकी है और इस बार उनके झांसे में आने वाली नहीं है। गहलोत ने कहा कि 4 जून को परिणाम चौंकाने वाले होंगे और केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी।

घाटी में हुए आतंकी हमलों की जांच हो : फारूक अब्दुल्ला

जम्मू कश्मीर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने दक्षिण कश्मीर में हुए दोहरे आतंकवादी हमलों की जांच का आदेश देने का आग्रह किया और पाकिस्तान से आतंकवाद का समर्थन बंद करने को भी कहा। जिला पुंछ के मेंढर एक चुनावी रैली से इतर संवाददाताओं से बातचीत करते हुए उन्होंने ये बातें कहीं। नेकां प्रमुख ने कहा कि अगर शनिवार रात हुए दो आतंकी हमलों की जांच नहीं कराई गई तो उनकी पार्टी ऐसे हमलों के पीछे के दोषियों का पता लगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय समिति को आमंत्रित करेगी। फारूक अब्दुल्ला ने कहा, मैं अपने पड़ोसी पाकिस्तान से कहना चाहता हूं कि वह (जम्मू-कश्मीर में) आतंकवाद बंद करे। आतंकी गतिविधियां बंद होने के बाद दोनों देश एक साथ बैठ सकते हैं और अपने मुद्दों को सुलझा सकते हैं। नेकां अध्यक्ष ने कहा, वह गृह मंत्री हैं और व्यवस्थाओं की देखरेख के लिए आ सकते हैं। लेकिन मुझे बताया गया कि उन्होंने कुछ लोगों को विशेष रूप से आमंत्रित किया था और बैठक आधी रात तक जारी रही। वह मुझसे नहीं मिले हैं, लेकिन उन लोगों से मिले हैं जो हमारी पार्टी के खिलाफ हैं। आप खुद ही इसका अंदाजा लगा सकते हैं। अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि गृह मंत्री संसदीय चुनावों के पांचवें और छठे चरण से पहले नेकां और पीडीपी को फायदा पहुंचाने आए थे, अब्दुल्ला ने कहा कि वह अपनी पार्टी और उनके दावों के बारे में बात नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा, मैं बार-बार कहता रहा हूं कि दिल्ली में बैठे लोग अनुच्छेद 370 को आतंकवाद के लिए जिम्मेदार बताकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। अनुच्छेद को निरस्त हुए कितने वर्ष बीत चुके हैं? क्या आतंकवाद रुक गया? उन्होंने कहा, क्या उन्हें (एजाज अहमद शेक) जीने का अधिकार नहीं है? यह एक स्वतंत्र देश है और कोई भी पार्टी अपनी विचारधारा का प्रचार कर सकती है। उन्हें किसने मारा इसकी जांच होनी चाहिए और वह भी जल्द। उन्होंने अनंतनाग में पर्यटकों पर हुए हमले की जांच की भी मांग की।

शिंदे को सीएम के रूप में नहीं देखना चाहती एनसीपी व बीजेपी : राउत

» संजय का दावा- कनिष्ठ और अनुभवहीन के अधीन काम नहीं करना चाहते थे बीजेपी व एनसीपी नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। संजय राउत ने दावा किया कि महाराष्ट्र की मौजूदा सरकार में शामिल दलों राकांपा और भाजपा के नेता एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री के रूप में नहीं देखना चाहते थे। राउत ने कहा कि अजित पवार, दिलीप वालसे पाटिल और सुनील तटकरे जैसे राकांपा नेताओं ने मुख्यमंत्री पद के लिए शिंदे के नाम का विरोध करते हुए कहा था कि वे उनके जैसे कनिष्ठ और अनुभवहीन व्यक्ति के अधीन काम नहीं करेंगे।

राउत ने कहा कि कांग्रेस और राकांपा ने कहा था कि उनके पास कई वरिष्ठ नेता हैं और गठबंधन का नेता ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जो अनुभवी एवं वरिष्ठ हो और सभी को साथ लेकर चल सके। राउत ने कहा कि राकांपा-शरदचंद्र पवार प्रमुख शरद पवार और कांग्रेस नेता राहुल को लगा कि गठबंधन को ऐसा नेता चुनना चाहिए जिन्हें तीनों दलों का समर्थन प्राप्त हो। ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 2019 के राज्य विस चुनावों के बाद अपनी पुरानी सहयोगी भाजपा से नाता तोड़ लिया था।

आदिवासियों को वोट बैंक बना रही भाजपा

» अभिषेक बनर्जी बोले- बीजेपी ने आर्थिक विकास के लिए काम करने से रोका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयाग्राम (पश्चिम बंगाल)। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आदिवासी समुदायों के हितों की अनदेखी करते हुए वोट बैंक के रूप में उनका इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल की झारग्राम सीट से तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने दावा किया कि पिछले पांच वर्षों में केंद्र की भाजपा सरकार ने अपनी ही पार्टी के सांसद को विभिन्न आदिवासी समुदायों के आर्थिक विकास के लिए काम करने से रोका है।

बनर्जी ने कहा, रैली में भाजपा से तृणमूल में शामिल हुए झारग्राम सांसद कुनार हेम्ब्रम ने याद किया कि क्षेत्र के विकास के लिए दिल्ली से निधि हासिल करने की उनकी प्रत्एक कोशिश को कैसे भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने बाधित किया गया और उसे नजरअंदाज किया। उन्हें भाजपा में घुटन महसूस हो रही थी और माना कि वह गलत पार्टी में थे। हेम्ब्रम, रैली में बनर्जी की उपस्थिति में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए। डायमंड हार्बर से सांसद बनर्जी ने भाजपा पर जंगलमहल क्षेत्र में अशांति पैदा करने का आरोप लगाते हुए कहा, एक साल पहले, हमारे काफिले को झारग्राम में एक भीड़ ने रोक दिया जिसने मेरे साथ यात्रा कर रहे मंत्री बीरबाहा हांसदा की कार पर पथराव किया।

हमने लोगों से किसी भी पार्टी को वोट देने को नहीं कहा : बंगाल के संत

लोकसभा चुनाव में दो प्रमुख मठों के कुछ संतो पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पक्ष में काम करने से संबंधित पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आरोपों से उपजे विवाद के बीच, दोनों धार्मिक संस्थाओं ने दावा किया कि वे हमेशा ही राजनीति से दूर रही है और कभी किसी पार्टी के लिए वोट नही मांगा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख बनर्जी ने शनिवार को एक चुनावी रैली में आरोप लगाया था कि पश्चिम बंगाल के दोनों प्रमुख मठों के कुछ संत भाजपा के निर्देश पर काम कर रहे हैं। रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ, दोनों ने आरोपों को खारिज कर दिया तथा कहा कि वे केवल समाज की सेवा करने पर ध्यान देते है। बेलूर में रामकृष्ण मिशन के मुख्यालय के एक वरिष्ठ संत ने कहा, हम आक्षेपों से दुखी और व्यथित है...हम किसी भी विवाद में फंसना नही चाहते है...प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री सहित सभी क्षेत्रों से हजारो आगंतुक हमारे परिसर में प्रार्थना और ध्यान करने आते है...हमारे लिए सभी समान है। उन्होने कहा, हम लोगों के बीच धर्म और अध्यात्म के शाश्वत मूल्यों का प्रसार करने का प्रयास करते है।

चेन्नई का सपना तोड़ प्लेऑफ में पहुंची आरसीबी

» बेंगलुरु ने 9वीं बार किया क्वालीफाई, केकेआर, एसआरएच व आरआर पहले ही पहुंच चुके हैं अंतिम चार में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए हाई वोल्टेज मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने चेन्नई सुपर किंग्स को 27 रनों से हरा दिया। वहीं आरसीबी शीर्ष क्रम की शानदार बल्लेबाजी के बाद अंतिम ओवर में यश दयाल की गेंदबाजी ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली चौथी और अंतिम टीम बनी। जबकि चेन्नई का सपना टूट गया। वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद पहले ही प्लेऑफ में जगह पक्की कर चुकी हैं।

कप्तान फाफ डुप्लेसी (54 रन) की अगुआई में शीर्ष क्रम के शानदार प्रदर्शन से आरसीबी ने पांच विकेट पर 218 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। फिर उसके गेंदबाजों ने सीएसके को 20 ओवर में सात विकेट पर 191 रन पर रोक दिया और लगातार छठी जीत से प्लेऑफ का टिकट कटाया। सीएसके रचिन रविंद्र (61 रन) के अर्धशतक और रविंद्र जडेजा (नाबाद 42 रन) के योगदान और अनुभवी महेंद्र सिंह धोनी के 25 रन के बावजूद प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी। आरसीबी के लिए यश दयाल ने 42 रन देकर दो विकेट झटके और अंतिम ओवर में सीएसके को 17 रन बनाने से महरूम कर उसकी क्वालीफाई करने की उम्मीदों को तोड़ दिया। सीएसके की शुरूआत काफी खराब रही जिसने पारी की पहली ही गेंद पर अपने कप्तान रूतुराज का विकेट गंवा दिया।

डुप्लेसी ने खेली उम्दा पारी

मेजबान टीम के मजबूत स्कोर के लिए डुप्लेसी (39 गेंद, तीन चौके, तीन छक्के) के अलावा विराट कोहली (47 रन, 29 गेंद), रजत पाटीदार (41 रन, 23 गेंद) और कैमरन ग्रीन (नाबाद 38, 17 गेंद) ने योगदान दिया। प्लेऑफ क्वालीफिकेशन की समीकरण के अनुसार आरसीबी को कट में जगह बनाने के लिए कम से कम 18 रन से जीत की जरूरत थी। सीएसके आरसीबी से हारने के बावजूद 200 से अधिक रन का स्कोर बनाकर या फिर मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने से क्वालीफाई कर लेती।

दिग्गजों ने की वोटिंग

पांचवे चरण के मतदान में यूपी से लेकर महाराष्ट्र तक के दिग्गज लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। मुंबई में पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे, पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, अभिनेता मनोज बाजपेई व सीएम एकनाथ शिंदे ने वोटिंग की। उधर लखनऊ में जहां आमजनों ने वोटिंग की वहीं डीजीपी प्रशांत कुमार, सपा प्रत्याशी रविदास मेहरोत्रा, मौलाना खालिद राशिद फरंगी महल और मौलाना सज्जाद ने भी वोट डाला।

मुद्दों की बात पर मोदी का कलेजा कांप जाता है : लालू

» राजद अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को लेकर पांच कड़ी बातें लिखीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष, भूतपूर्व रेल मंत्री और बिहार के भूतपूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चरित्र चित्रण जारी किया है। उन्होंने पांच बातें लिखी हैं। इन पांच बातों की शुरुआत उन्होंने बाप से की है। इस चुनाव में रिश्ते-नातों के साथ जनसंख्या नियंत्रण आदि पर तो बातें हो ही रही थीं, लेकिन अब बात बाप तक आ पहुंची है। लेकिन, रोचक यह है कि लालू प्रसाद ने इस शब्द का उल्लेख दूसरे तरीके से किया है।

राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने लिखा है कि पांचवें चरण तक देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच बातें साफ-साफ समझ चुकी है। उन्होंने लिखा सच क्या सच का बाप भी आ जाए तो मोदी जी से सच नहीं उगलवा सकता है। जनता से झूठ बोलने में मोदी जी को परम आनंद की अनुभूति होती है। जनता के मुद्दों पर बात करने से मोदी जी का कलेजा कॉंप जाता है। देश को गुमराह करने तथा समाज में अफवाह, नफरत एवं भ्रम फैलाने में मोदी जी को मज़ा आता है। देश को महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी की अग्नि में झोंकने से मोदी जी को प्रसन्नता मिलती है।

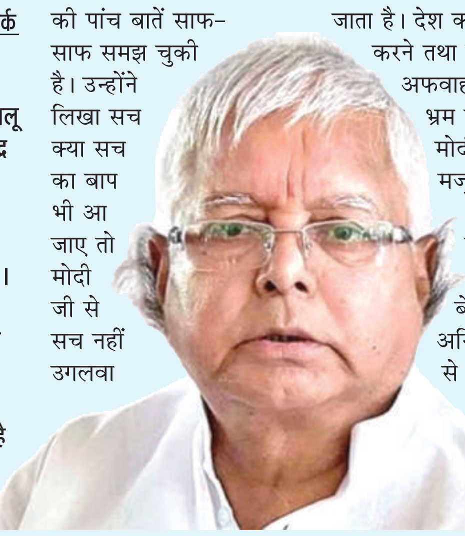

देश की जनता अब नफरत की राजनीति नहीं चाहती : तेजस्वी

मछली और संतरा पार्टी के बाद अब नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी हेलीकॉप्टर में चुनावी चर्चा करते दिखे। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर वीडियो भी शेयर किया। इतना ही नहीं तेजस्वी यादव ने 300 से ज्यादा सीटें जीतने का दावा भी कर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं और नौजवानों में काफी उत्साह है। केंद्र सरकार से लोग ऊब चुके हैं। वहीं पकाऊ और थकाऊ भाषण दे रहे हैं। इस बार इंडी गठबंधन को 300 से ज्यादा सीटें आएंगी। तेजस्वी यादव ने मुकेश सहनी से कहा अब तक वह 180 चुनावी सभा को संबोधित कर चुके हैं। 17 महीने के कार्यकाल में उन्होंने जो नौकरी दी है, उससे युवाओं में उम्मीद जगी है। देश की जनता अब नफरत की राजनीति नहीं चाहती है। तेजस्वी ने कहा कि इस तरीके की राजनीति बहुत दिनों तक नहीं चलती है। उन्होंने बड़ा दावा करते हुए कहा कि बिहार में भाजपा साफ और यूपी में हाफ हो जाएगी। इंडी गठबंधन को 300 से अधिक सीटें आएंगी।

किसी भी हद तक जा सकते हैं पीएम मोदी : संजय सिंह

» बोले- केजरीवाल पर हमले की पीएमओ से रची जा रही साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और नरेंद्र मोदी सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। सोमवार (20 मई 2024) को प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजय सिंह ने कहा कि आज की पीसी अरविंद केजरीवाल के उपर हमले और खतरे को लेकर है और इसमें पीएमओ की साजिश है। संजय सिंह ने कहा कि कई बार बीजेपी ने अरविंद केजरीवाल पर हमले की कोशिश की है।

अब उन्हें खुलेआम धमकी दी जा रही है। पटेल नगर मेट्रो स्टेशन और राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर हमले की धमकी दी जा रही है। इसका पूरा संचालन बीजेपी और पीएमओ की ओर से किया जा रहा है. मोदी जी नफरत की भावना में इस कदर आगे बढ़ चुके हैं कि वो किसी भी हद तक जा सकते हैं। संजय सिंह ने कहा कि ये वही भाषा है जो बीजेपी की भाषा है. ऐसे बद दिमाग लोगों का इस्तेमाल बीजेपी करती है। इसमें हमला करने की धमकी दी गई है। ये वही भाषा है जो बीजेपी बोलती है। चुनाव आयोग इस पूरे मामले का संज्ञान ले और इस मामले में तत्काल कार्यवाई करे।

मुख्यमंत्री को कुछ भी हुआ तो बीजेपी और पीएमओ जिम्मेदार

संजय सिंह ने कहा कि मैं शासन, प्रशासन और चुनाव आयोग को बताना चाहता हूं कि अगर अरविंद केजरीवाल को कुछ भी होता है सीधे तौर पर बीजेपी और पीएमओ इसके लिए जिम्मेदार होंगे। उन्होंने बताया पटेल नगर मेट्रो की फोटो है। अंकित गोयल नाम के व्यक्ति की ओर से लिखी गई धमकी है। इसकी भाषा आप पढ़ेंगे तो ठीक वही भाषा है जो बीजेपी बोलती है। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी सांसदों, विधायकों की तरफ से हम चुनाव आयोग को पत्र भी लिख रहे हैं और उनसे मिलने का समय भी मागेंगे. अगर सीएम केजरीवाल को खरोंच भी आती है तो इसके लिए पीएमओ और बीजेपी जिम्मेदार होंगे।

हेलीकॉप्टर क्रैश में ईरान के राष्ट्रपति रईसी समेत सभी सवारों की मौत

पहाड़ी इलाका होने की वजह से बचाव कार्य में हो रही परेशानी

» ईरानी एजेंसी ने किया दावा, विदेश मंत्री अमीर अब्दुल्लाहियान की भी मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी पूर्वी अजरबैजान जा रहे थे। इसी दौरान अजरबैजान के सीमावर्ती शहर जोल्फा के करीब दुर्घटना घटी, जो ईरान की राजधानी तेहरान से 600 किलोमीटर दूर है ईरान की कई समाचार एजेंसियों ने पुष्टि की है कि रईसी और विदेश मंत्री अमीर अब्दुल्लाहियान के साथ हेलीकॉप्टर में सवार अन्य लोगों की मौत हो गई है।

ईरानी रेड क्रीसेंट के प्रमुख ने कहा कि बचाव टीमों से पता चल रहा है कि हेलीकॉप्टर का पूरा केबिन काफी क्षतिग्रस्त और जल गया है। ईरानी एजेंसी ने दावा किया है कि हेलीकॉप्टर क्रैश में ईरान के राष्ट्रपति रईसी समेत सभी सवारों की मौत हो गई है। हादसे के बारे में अधिक जानकारी नहीं मिल पाई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पायलट ने हेलीकॉप्टर से नियंत्रण खो दिया, जिसके चलते हादसा हुआ। बचाव कार्य में 16 टीमों को लगाया गया है। हादसे में किसी की मौत या घायल होने की कोई जानकारी नहीं है। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी (63 वर्षीय) पूर्वी अजरबैजान जा रहे थे। इसी दौरान अजरबैजान के सीमावर्ती शहर जोल्फा के करीब दुर्घटना घटी, जो ईरान की राजधानी तेहरान से 600 किलोमीटर दूर है। वह रविवार तड़के अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के साथ एक बांध का उद्घाटन करने वाले थे। यह तीसरा बांध है, जिसे दोनों देशों ने अरास नदी पर बनाया है। पूर्वी अजरबैजान प्रांत के गवर्नर भी राष्ट्रपति के काफिले में शामिल थे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।